Arts and Commerce College, Ashta

Subject : Hindi

Name of the Teacher: Prof. Vishwas Nivrutti Patil

A Presentation on

Punctuations in Hindi

विराम-चिह्न
(Punctuation)

बातचीत करते या बोलते समय हमारी वाणी की गति एक समान नहीं होती। अपनी बात के आशय को ठीक प्रकार से प्रकट करने के लिए हम एक वाक्य के बाद कुछ रुककर या विराम देकर दूसरा वाक्य प्रारंभ करते हैं और वाक्यों के बीच-बीच में भी थोड़ी देर रुकते हैं। जब हम लिखते हैं तो **इस रुकने या विराम के लिए कुछ संकेत-चिह्नों का प्रयोग करते हैं। इन चिह्नों को हम 'विराम-चिह्न' कहते हैं।**

प्रमुख विराम-चिह्न निम्नलिखित हैं :

1. पूर्ण विराम	(।)
2. अल्प-विराम	(,)
3. अर्द्ध-विराम	(;)
4. प्रश्न चिह्न	(?)
5. विस्मयादिसूचक या संबोधक	(!)
6. उपविराम	(:)
7. निर्देशक चिह्न या रेखा	(—)
8. विवरण चिह्न	(:—)
9. लाघव चिह्न	(० , .)
10. उद्धरण चिह्न	(" ")
11. कोष्ठक	( ), [ ]
12. योजक या विभाजक चिह्न	(-)

1. पूर्ण विराम (।)–पूर्ण विराम-चिह्न का प्रयोग प्रश्नवाचक तथा विस्मयादिवाचक वाक्यों को छोड़कर अन्य सभी प्रकार के वाक्यों के अंत में किया जाता है। जैसे–सूर्योदय हुआ और अंधकार नष्ट हो गया।

विशेष–दोहा, चौपाई, श्लोक, आदि छंदों की पहली पंक्ति के अंत में एक पूर्ण विराम (।) तथा दूसरी पंक्ति के अंत में दो पूर्ण विराम (॥) लगाते हैं। जैसे–रघुकुल रीति सदा चलि आई। प्राण जाय पर वचन न जाई ॥

2. अल्प-विराम (,)–अल्प-विराम का प्रयोग निम्नलिखित स्थानों पर किया जाता है।

(क) एक ही प्रकार के शब्दों को अलग करने के लिए। जैसे :
राम, श्याम, मोहन, सुरेश और दिनेश आ रहे हैं।

(ख) समान महत्त्व वाले वाक्यों को अलग करने के लिए। जैसे :
हिमालय हमें अनेक नदियों के रूप में जल प्रदान करता है, वर्षा में सहायक होता है तथा देश की सीमाओं की चौकसी करता है।

(ग) संयुक्त और मिश्रित वाक्यों के उपवाक्यों को अलग करने के लिए। जैसे :
वह पढ़ता तो बहुत है, परंतु सफल नहीं होता।

(घ) वह, तब, तो, आदि के स्थान पर भी अल्प-विराम का प्रयोग किया जाता है। जैसे :

1. तुमने जो चित्र खरीदा था, कहाँ है? ('वह' के स्थान पर)
2. जब हम घर से निकले, वर्षा हो रही थी। ('तब' के स्थान पर)
3. जब मैंने देखा कि रास्ता बंद है, मैं रुक गया। ('तो' के स्थान पर)

(ङ) पत्र एवं प्रार्थना-पत्र के अभिवादन, समापन के अलावा पता लिखने में भी अल्प-विराम का प्रयोग किया जाता है। जैसे :

1. अभिवादन में–प्रिय मित्र, आदरणीय गुरु जी, पूज्य पिता जी,
2. समापन में–भवदीय,

तुम्हारा प्रिय मित्र,

3. पता लिखने में–

अवध बिहारी लाल,
सी-515, विकासपुरी,
नई दिल्ली-110018

(च) जब एक ही शब्द की पुनरावृत्ति हो। जैसे–दौड़ो, दौड़ो, आग लग गई।

(छ) उद्धरण चिह्न से पूर्व। जैसे–राम ने कहा, "मैंने पढ़ना छोड़ दिया।"

(ज) उपाधियों को अलग करने के लिए। जैसे–एम०ए०, बी०ए०, पी-एच०डी०।

(झ) 'हाँ' या 'नहीं' के पश्चात। जैसे :

1. हाँ, मैं भी चलूँगा। 2. नहीं, मैं नहीं चलूँगा।

(ञ) जब किसी वाक्य में कर्ता अपनी क्रिया से दूर हो, तो कर्ता के बाद। जैसे–वह आदमी, जिसने कल चोरी की थी, आज पकड़ा गया।

3. अर्द्ध-विराम (;)–जहाँ अल्प-विराम से अधिक और पूर्ण विराम से कम रुकना हो, वहाँ अर्द्ध-विराम का प्रयोग होता है। जैसे :

1. विभिन्न उपवाक्यों पर अधिक ज़ोर देने के लिए। जैसे :
   खूब मन लगाकर पढ़ो ; परीक्षा निकट आ गई है।
2. जहाँ दो उपवाक्यों में आपस में अधिक संबंध हो। जैसे :
   जो आज हमारा मित्र है ; कल वही शत्रु भी हो सकता है।
3. विपरीत अर्थ प्रकट करने वाले दो उपवाक्यों के बीच में। जैसे :
   हम पेड़ पर पत्थर मारते हैं ; वह हमें फल देता है।
4. 'क्योंकि', 'क्यों', आदि कारणवाचक क्रिया-विशेषणों से पहले। जैसे :
   राम नहीं आया ; क्योंकि वह बीमार है।

4. प्रश्न चिह्न (?)–यह चिह्न प्रश्नसूचक वाक्यों के अंत में आता है। जैसे :
   क्या तुम मेरे साथ चलोगे?

5. विस्मयादिबोधक या संबोधन चिह्न (!)–इस चिह्न का प्रयोग विस्मयादिबोधक पदों या वाक्यों तथा संबोधन के लिए किया जाता है। जैसे :

(क) वाह! तुमने तो कमाल ही कर दिया।
(ख) राम! अब तुम जा सकते हो।

6. उपविराम (:)–जहाँ किसी बात को अलग करके दिखाना हो। जैसे :

सांप्रदायिकता : एक कोढ़।

7. निर्देशक चिह्न या रेखा (–)–यदि किसी बात का उदाहरण दिया जाना हो, तो निर्देशक चिह्न का प्रयोग होता है। जैसे :

(क) अध्यापक–भारत के प्रथम प्रधानमंत्री कौन थे?

छात्र–भारत के प्रथम प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू थे।

(ख) "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा।"–सुभाषचंद्र बोस।

8. विवरण चिह्न (:–)–जहाँ किसी बात का उत्तर या उदाहरण अगली पंक्ति में देना हो, तो विवरण चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे :

संज्ञा के भेद हैं :–

व्यक्तिवाचक, जातिवाचक और भाववाचक, आदि।

9. लाघव चिह्न (०, .)–शब्दों को संक्षिप्त रूप में लिखने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे : डॉक्टर = डॉ०, पंडित = पं०, ईस्वी = ई०, मास्टर ऑफ़ आर्ट्स = एम०ए०।

10. उद्धरण चिह्न (" .... ") (' ..... ')–1. जब किसी व्यक्ति का कथन मूल रूप में लिखा जाता है, तो दोहरे उद्धरण चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे :

नेहरू जी ने कहा था, "आराम हराम है।"

2. पुस्तकों के नाम, उपनाम या व्यक्तिवाचक नाम इकहरे अवतरण चिह्नों (' ') के भीतर लिखे जाते हैं। जैसे :

(क) 'कामायनी' प्रसाद जी का प्रसिद्ध ग्रंथ है। (पुस्तक का नाम)

(ख) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'। (उपनाम)

3. कहावतों में या उद्धरणों में भी इसका प्रयोग होता है। जैसे :

(क) आपस की फूट से सर्वनाश होता है, इसीलिए ठीक कहा है 'घर का भेदी लंका ढाए'।

(ख) 'अ', 'आ', 'इ', 'ई' स्वर हैं।

11. **कोष्ठक** ( )–कोष्ठक का प्रयोग निम्नलिखित प्रकार से किया जाता है :

(क) क्रमसूचक अंकों या अक्षरों के साथ। जैसे :

संज्ञा के पाँच उदाहरण हैं :

(अ) राम, (ब) मोहन, (स) भारत, (द) हिमालय, (य) वीरता।

(ख) कभी-कभी कोष्ठक में ऐसी सामग्री रखी जाती है, जो वाक्य का अंग नहीं होती। जैसे :

क्रिया के दो भेदों (सकर्मक, अकर्मक) के बारे में आप पहले पढ़ चुके हैं।

(ग) समानार्थी शब्दों के साथ कोष्ठक का प्रयोग होता है। जैसे :

वह दूर की सोचने वाला (दूरदर्शी) है।

(घ) नाटकों तथा संवादों में हाव-भाव सूचित करने के लिए भी कोष्ठक का प्रयोग किया जाता है। जैसे :

राजा (क्रोधित होकर)–तुम्हें इसका दंड अवश्य मिलेगा।

12. **योजक या विभाजक** (-)–इस चिह्न का प्रयोग निम्नलिखित रूपों में होता है :

(क) शब्दों के युग्म के बीच में। जैसे–दाल-भात, काला-काला, घर-घर।

(ख) 'बीच' के अर्थ में। जैसे–राम-रावण युद्ध।

(ग) तुलनावाचक सा, से, सी, से पहले। जैसे :

हनुमान-सा रामभक्त मिलना कठिन है।

अभ्यास

1. उचित विराम-चिह्न लगाइए।

(क) वह खीझकर बोला क्यों हट जाऊँ सड़क सिर्फ तुम्हारी ही नहीं है

(ख) पिता बेकार हो माता पिता घर में न हों तो ये भी हवा में पतंग से हो जाते हैं

(ग) गांधी जी ने क्या कहा है जानती है मुस्लिम सिख ईसाई आपस में सब भाई भाई

(घ) कर्म के आधार पर क्रिया दो प्रकार की होती है क सकर्मक और ख अकर्मक

(ङ) मैंने डॉ शर्मा का निबंध पढ़ा सांप्रदायिकता एक कोढ़

(च) मोहन रवि से उसने सन 1958 ई में एम.ए. हिंदी की परीक्षा पास की थी

2. निम्नलिखित अवतरण में कुछ विराम-चिह्न गलत लग गए हैं। उनके स्थान पर उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग करते हुए वाक्यों को दोबारा लिखिए।

यह क्या। चौंककर उठा! उस ओर बढ़ा, यह तो मंगर है। सुना था। मंगर को अद्धांग मार गया है? देखा। आँखें सजल हो उठीं, निकट गया। उसे सँभाला : फिर कहा–मंगर–पड़े क्यों नहीं रहते। यह कैसी चोट लग रही होगी।

3. नाम पढ़िए और विराम-चिह्न लिखिए।

विवरण चिह्न	पूर्ण विराम .....
उपविराम	कोष्ठक .....
अल्प-विराम	निर्देशक चिह्न .....
योजक चिह्न	लाघव चिह्न .....